

//1//
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद (अजमेर)

पीठासीन अधिकारी :- श्री राकेश कुमार गुप्ता (आर. ए. एस.)
राजस्व प्रकरण संख्या :- 18/2021

उनवान

1. अब्बास,
2. असगर खां
3. शरीफ अहमद खां,
4. मुंशी खा पि० अनवर खां
5. रहमत पत्नी अनवर खां
6. जमीला पत्नी बाबू अजहर खां,
7. परवीन पुत्री बाबू अजहर खां
8. यासमीन पुत्री बाबू अजहर खां,
9. खालिद अशरफ पुत्र बाबू अजहर खां समस्त जाति मुसलमान नि० रामसर, नसीराबाद
— वादीगण :- जरियें अधिवक्ता श्री सीताराम रावत

बनाम

- राज० सरकार जरियें तहसीलदार नसीराबाद,
मेवा खां पुत्र अनवर खां,
3. अशरफ पुत्र बाबू अजहर खां समस्त जाति मुसलमान नि० रामसर, नसीराबाद
— प्रतिवादीगण :- 1 जरियें राज० पैरोकार

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88, 188 राज० काश्त० अधि० 1955 एवं धारा 136 भू राज० अधि० 1956

-: निर्णय :-


दिनांक :- 25.11.21

अधिवक्ता वादीगण ने उक्त वाद पेश कर निवेदन किया कि ग्राम रामसर की निम्न आराजी वादीगण की पुश्तैनी खातेदारी/काश्तकारी की है :-

वर्किंग खसरा नम्बर	रकबा	हाल खसरा नम्बर	रकबा
5814	7-2-0	7963	2.03
5815	5-9-0		
5695	4-19-0	7821	0.80

उक्त आराजी में दतर्ज वर्किंग खसरा नम्बर 5814, 5815 व 5695 की आराजी के खातेदार अब्बास (वादी संख्या 1), असगर खां (वादी संख्या 2) शरीफ अहमद खां (वादी संख्या 3) पुत्रगण अनवर खां दर्ज थे। जिस पर वादीगण पुश्तैनी समय से काजि काश्त चले आ रहे हैं। किन्तु दौराने बंदोबस्त हाल जमाबंदी बनाते समय अधिकार अभिलेख में वादी संख्या 1 से 3 के साथ अनवर खां के वारिस मुंशी पुत्र अनवर खां व बाबू अजहर खां पुत्र अनवर खां के वारिस वादी संख्या 6 से 9 का नाम जोड़ते समय गलती से प्रतिवादी संख्या 2 का नाम अंकित किया गया

—2


उपखण्ड अधिकारी
(अजमेर)

जबकि अनवर खां के मेवा खां नाम का कोई पुत्र नहीं है। साथ ही अनवर खां के बाबू अजहर खां नाम की कोई पुत्री नहीं है। बाबू अजहर खां की पुत्री परवीन का गलत नाम परवीर अंकित कर दिया अतः प्रकरण में दुरुस्ती कर के प्रतिवादी संख्या 7 का सही नाम परवीर की जगह परवीन अंकित किया जावे एवं प्रतिवादी संख्या 2 व 3 का नाम हटाया जावे।

वाद पत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। राज0 पैरोकार ने जवाब पेश किया। प्रतिवादी संख्या 2 व 3 के बारे में तामीली रिपोर्ट प्राप्त हुयी जिसके अनुसार उक्त नाम का कोई व्यक्ति ग्राम रामसर में नहीं है।

प्रकरण मे निम्न तनकियात कायम की गयी :-

1. आया आराजी मुतनाजा में वर्तमान इन्द्राज त्रुटिपूर्ण होने से वादी दुरुस्ती का अधिकारी है ?

— वादीगण

2. अनुतोष ?

वाद विचारण के दौरान वादीगण ने आदेश 6 नियम 17 सी0पी0सी0 का प्रार्थना पत्र पेश कर प्रकरण में हाल खसरा नम्बर 7821 रकबा 0.80 को भी अंकित किया। जिसे स्वीकार कर सशोधित वाद रेकार्ड पर लिया गया।

अधिवक्ता वादी ने वाद के समर्थन में राजस्व अभिलेख व दस्तावेज पेश किये तथा साक्ष्य नहीं पेश करना जाहिर किया।

राज0 पैरोकार ने प्रकरण में साक्ष्य नहीं पेश करना जाहिर किया।

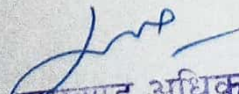
बहस उभयपक्ष सुनी गयी।

पत्रावली का अवलोकन व अनुशीलन किया गया। विद्वान अधिवक्ता वादीगण व राज0 पैरोकार की बहस पर मनन किया। तनकी अनुसार निर्णय निम्नवत् है :-

तनकी संख्या 1 :-

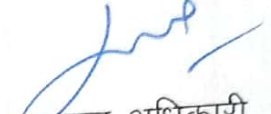
ग्राम रामसर के हाल खसरा नम्बर 7821 रकबा 0.80 व 7963 रकबा 2.03 की आराजी हाल राजस्व अभिलेख में अब्बास पुत्र अनवर खां, अशरफ पुत्री बाबू अजहर खां, असगर खां पुत्र अनवर खां, खालिद अशरफ पुत्र बाबू अजहर खां, जमीला पत्नी बाबू अजहर खां, परवीर पुत्री बाबू अजहर खां, मेवा खां पुत्र अनवर खां, मुंशी पुत्र अनवर खां, यासमीन पुत्री बाबू अजहर खां, रहमत पत्नी अनवर खां व शरीफ अहमद खां पुत्र अनवर खां के नाम दर्ज है। उक्त आराजी के वर्किंग खसरा नम्बर 5814, 5815 व 5695 रहमत पत्नी अनवर खां, बाबू खां, मिया खां, मुंशी अब्बास, असगर खां, शरीफ अहमद खां पि0 अनवर खां के नाम दर्ज है। वादी का कथन है कि उक्त आराजी में बाबू अजहर खां की विरासत दर्ज करते समय प्रतिवादी संख्या 3 अशरफ पुत्र बाबू अजहर खां का नाम गलती से जोड दिया तथा वादी संख्या 7 का नाम परवीन के स्थान पर त्रुटिपूर्ण तरीके से परवीर अंकित कर दिया साथ ही प्रतिवादी संख्या 2 का नाम भी जोड दिया गया जबकि वादीगण के परिवार में उक्त नाम का कोई व्यक्ति नहीं है। वादी संख्या 9 का नाम खालिद अशरफ पुत्र बाबू अजहर खां दर्ज है किन्तु हाल जमाबंदी में अशरफ पुत्री बाबू अजहर खां भी गलती से जोड दिया। वादीगण द्वारा उक्त आराजी की आधार जमाबंदी सम्बत् 2059-78 पेश की है जिसमें आराजी मुतनाजा रहमत पत्नी अनवर खां, बाबू खां, मिवा खां, मुंशी अब्बास, असगर खां, शरीफ अहमद खां पि0 अनवर खां के नाम दर्ज है। इस प्रकार स्पष्ट है कि वर्किंग जमाबंदी में मिवा खां पुत्र अनवर खां, हाल जमाबंदी में मेवा खां पुत्र अनवर खां तथा आधार जमाबंदी में मिवा खां पुत्र अनवर खां तीन अलग-अलग नाम दर्ज है। इसी प्रकार बाबू अजहर खां के वारिसों के नाम में भी त्रुटि होना वादीगण द्वारा बताया गया है। इस प्रकार स्पष्ट है कि वादी द्वारा प्रस्तुत शजरा प्रमाण पत्र, हाल च पूर्व राजस्व अभिलेख अनुसार खातेदारों के नाम में त्रुटि अंकित है। तनकी बहक वादीगण निर्णित की जाती है।

अतः ग्राम रामसर के हाल खसरा नम्बर 7821 रकबा 0.80 व 7963 रकबा 2.03 की आराजी पर वादीगण का वाद इस आशय से "स्वीकार" किया जाता है कि तहसीलदार


उपखण्ड अधिकारी,
नसीराबाद (अजमेर)

नसीराबाद उक्त आराजी के वंकिंग जमाबंदी में अंकित अनवर खां के समस्त विधिक वारिसान के नाम अंकन कर मृत खातेदारों की विरासत की कार्यवाही नियमानुसार दर्ज कर राजस्व अभिलेख दुरुस्त करने की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे। इस आशय की पर्चा डिकी जारी हो।

निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद

